राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर,शुक्रवार, 08 मई 2026
वर्ष 14,अंक 29, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

नगर पंचायत प्रशासन ने शुरू किया अतिक्रमण चिन्हांकन...03

केएल राहुल ने अभिषेक से छीनी ऑरेंज कैप...04

ऑपरेशन सिंदूर ने संदेश दिया कि कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है : भारतीय सेना

भारतीय सेना ने बृहस्पतिवार को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि नियंत्रण रेखा के पार कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और भारत अपनी इच्छानुसार समय और तरीके से हर आतंकी ढांचे को निशाना बनाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुखों ने जयपुर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दंडित करने के वास्ते पिछली आधी सदी में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया। सेना के उप प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ''नियंत्रण रेखा के उस पार कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। हम हर जगह हमला करेंगे। हम हर निशाने पर प्रहार करेंगे। हम हर उस चीज़ के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, यह बात प्रधानमंत्री ने पिछले साल साफ कर दी थी। लेकिन इसकी शर्तें, समय और तरीका हमारा होगा।'' उन्होंने कहा कि आतंकी ढांचे को निशाना बनाने का समय और तरीका भारतीय सेना के विवेक पर निर्भर करेगा। भारतीय सेना के सैन्य अभियानों के महानिदेशक के रूप में, घई ने भारतीय वायु सेना और नौसेना के अपने समकक्षों के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्तमान में सेना के उप प्रमुख (रणनीति) के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, बल्कि यह तो सिर्फ शुरुआत थी।'' पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पिछले साल सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इसके तहत भारत ने पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर

(पीओके) में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 100 आतंकी मारे गए। इस कार्रवाई से पाकिस्तान के साथ तनाव में तेजी से वृद्धि हुई और पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए, हालांकि उनमें से अधिकांश को भारतीय सेना ने विफल कर दिया। दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच हॉटलाइन पर बातचीत के बाद 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के साथ ही सैन्य संघर्ष समाप्त हो गया, लेकिन इस घटना ने भारत की सैन्य शक्ति को बढ़ाने की आवश्यकता को उजागर कर दिया। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा कि कई आतंकी शिविरों को सीमा क्षेत्र से हटाकर अंदरूनी इलाकों में स्थानांतरित कर दिया गया है, लेकिन दूरी भारत की सटीक मारक क्षमता से सुरक्षा नहीं दे सकती। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने के बाद संघर्ष को तुरंत समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा, ''दुनिया भर में लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों के इस दौर में हमने कड़ा प्रहार किया, स्पष्ट रूप से तय उद्देश्यों को हासिल किया और फिर संघर्ष समाप्त करने का फैसला किया, जब पाकिस्तान बातचीत करने पर मजबूर हो गया और उसने हमसे कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया।'' लेफ्टिनेंट जनरल घई ने ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों, स्वदेशी निगरानी और लक्ष्यीकरण प्रणालियों और गोला-बारूद का उल्लेख करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों और प्लेटफार्म की क्षमताओं को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था। यह तो बस शुरुआत थी। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई जारी रहेगी। एक साल बाद, हम न केवल ऑपरेशन को बल्कि इसके पीछे के सिद्धांत को भी याद करते हैं। भारत अपनी संप्रभुता, अपनी सुरक्षा और अपने लोगों की रक्षा दृढ़तापूर्वक, पेशेवर ढंग से और पूरी जिम्मेदारी के साथ करेगा।'' ऑपरेशन सिंदूर के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वायु सेना महानिदेशक ए. के. भारती ने वांछित परिणाम हासिल करने में 'वायु शक्ति की प्रधानता' पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है और भारतीय वायु सेना चीन और पाकिस्तान की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है। उन्होंने कहा, 'हम उनकी हर गतिविधि पर लगातार नज़र रख रहे हैं।' भारती ने कहा, 'हमने उनके नौ आतंकवादी शिविरों पर हमला कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। इसका सबूत सबके सामने है। हमने उनके 11 हवाई अड्डों पर हमला किया। हमने उनके 13 विमानों को ज़मीन पर या हवा में नष्ट कर दिया, जिनमें 300 किलोमीटर से अधिक की रिकॉर्ड दूरी से नष्ट किया गया एक बहुमूल्य हवाई विमान भी शामिल है।' भारती ने हालांकि भारतीय वायु सेना के किसी भी नुकसान का उल्लेख नहीं किया। वायु सेना के उप प्रमुख के पद पर कार्यरत एयर मार्शल भारती कहा, 'वे (पाकिस्तान) हमारी तरफ कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा पाए हैं; न तो कोई सैन्य ढांचा और न ही नागरिक संरचनाओं को कोई बड़ा नुकसान हुआ।' उन्होंने कहा, ''वे चाहे जो भी कहें, याद रखें कि कहानियों और बयानबाजी से जीत नहीं मिलती। जीत ठोस तथ्यों से मापी जाती है।'' वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर अपने उद्देश्यों को हासिल कर लिया। उन्होंने कहा, 'जब पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान ने आतंकवाद का साथ देने और इसे अपनी लड़ाई बनाने का फैसला किया, तो हमारे पास उसी तरह जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। यह आत्मरक्षा का मामला था, जो आतंकवाद विरोधी अभियान से कहीं अधिक था। जब हमने जवाब दिया, तो वह घातक और निर्मम था।' नौसेना संचालन महानिदेशक वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद से निपटने में भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना की अग्रिम तैनाती ने पाकिस्तानी नौसेना और वायु इकाइयों को रक्षात्मक मुद्रा अपनाने पर मजबूर कर दिया और इसके चलते पाकिस्तानी नौसेना अधिकांश समय बंदरगाहों तक ही सीमित रही। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने इस बात की पुष्टि की कि भारत निरंतर उकसावे का जवाब सोच-समझकर, सटीकता के साथ देने में सक्षम है। इसने यह भी प्रदर्शित किया कि आतंकी ढांचे और उन्हें समर्थन देने वाली सैन्य क्षमताओं को तेज़ी और प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''इस अभियान ने ड्रोन सहित स्वदेशी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों, प्लेटफार्मों, प्रणालियों और उपकरणों की निर्णायक भूमिका को भी उजागर किया।'' लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा, ''पाकिस्तान ने 100 से अधिक सैनिक खो दिए। उन नौ आतंकी शिविरों में करीब 100 आतंकवादी मारे गए।'' उन्होंने कहा, ''अनजाने में उनकी पुरस्कार सूची इंटरनेट पर जारी हो गई, जिससे पता चला कि उनमें से कई पुरस्कार मरणोपरांत दिए गए थे।''

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की छप्पर फाड़ जीत से यूपी में बदलेगी रणनीति, बंसल को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

उत्तर प्रदेश की अगली चुनावी लड़ाई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर हलचल तेज हो गई है। पार्टी के अंदर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को प्रदेश में अधिक सक्रिय और प्रत्यक्ष भूमिका दी जा सकती है, ताकि 2027 विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के जातीय समीकरणों को फिर से मजबूत किया जा सके। यह अटकलें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की हालिया सफलता के बाद तेज हुई हैं, जहां बूथ स्तर की मजबूत रणनीति और संगठनात्मक समन्वय ने पार्टी को बड़ी जीत दिलाई और 15 वर्षों से सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया।

संगठनात्मक मजबूती से यूपी की चुनौती का समाधान संभव नहीं

हालांकि भाजपा के भीतर यह समझ भी है कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियां पश्चिम बंगाल से कहीं अधिक जटिल हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि केवल संगठनात्मक मजबूती से यूपी की चुनौती का समाधान संभव नहीं होगा, क्योंकि यहां जातीय समीकरण चुनावी राजनीति का सबसे अहम आधार बने हुए हैं। फिलहाल उत्तर प्रदेश में भाजपा के संगठनात्मक मामलों की निगरानी बी एल संतोष और विनोद तावड़े कर रहे हैं, लेकिन पार्टी के एक वर्ग का मानना है कि यूपी की सामाजिक और जातीय संरचना को देखते हुए ऐसे नेताओं की जरूरत है जिन्हें राज्य की चुनावी जमीन का गहरा अनुभव हो।

बंगाल जीत में बंसल की बड़ी भूमिका रही

भाजपा के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी ने कहा, ' 2017 में पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले अमित शाह और संगठनात्मक नेटवर्क को मजबूत

करने वाले सुनील बंसल को फिर से बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।' उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अमित शाह यूपी की राजनीति पर पहले से ज्यादा सीधी नजर रख सकते हैं, जबकि सुनील बंसल को राज्य का प्रभारी बनाकर चुनावी तैयारियों की कमान दी जा सकती है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की ताकत लंबे समय तक सवर्ण, गैर-यादव पिछड़ा वर्ग और गैर-जाटव दलितों के व्यापक सामाजिक गठजोड़ पर आधारित रही है। इसके साथ पार्टी ने मजबूत हिंदुत्व एजेंडे के जरिए अपनी पकड़ बनाई। लेकिन हालिया चुनावों में इस सामाजिक समीकरण में कमजोरी के संकेत दिखाई दिए हैं।

यूपी में जातीय राजनीति को नए तरीके से संगठित करना होगा

दरअसल अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति के जरिए जातीय राजनीति को नए तरीके से संगठित किया है, जिससे मुकाबला और कड़ा हो गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता तो बचाने में सफल रही, लेकिन पार्टी के भीतर यह स्वीकार किया गया कि मुकाबला उम्मीद से कहीं ज्यादा कठिन था। वहीं 2024 लोकसभा चुनाव ने भाजपा के सामने नई चुनौती को और स्पष्ट कर दिया।

24 के चुनाव में पार्टी को मिली थी 33 सीटें

समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटें जीतकर भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में भी सेंध लगाई। भाजपा का आंकड़ा 2019 की 62 सीटों से घटकर 2024 में 33 पर पहुंच गया। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि, ' 2022 और 2024 के अनुभव अभी भी पार्टी के लिए चेतावनी की तरह हैं और संगठन किसी भी तरह की आत्मसंतुष्टि से बचना चाहता है। इसलिए अमित शाह जी और सुनील बंसल जी का दखल उत्तर प्रदेश में बढ़ सकता है।' करीब एक दशक से उत्तर प्रदेश की सत्ता में रहने के कारण भाजपा को स्थानीय स्तर पर एंटी-इंकम्बेंसी और विभिन्न समुदायों में प्रतिनिधित्व की बढ़ती मांग जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

जातीय राजनीति बेहद पेचीदा

हालांकि पार्टी अब भी अपनी कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून-व्यवस्था की छवि को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम बंगाल की जीत भाजपा के लिए बड़ी उपलब्धि है, लेकिन पार्टी को यह समझना होगा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति कहीं अधिक जटिल है। भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी ने बताया कि, ' हिंदी पट्टी में जातीय राजनीति बेहद पेचीदा है। भाजपा को अपना सामाजिक गठबंधन दोबारा मजबूत करने, स्थानीय मुद्दों पर काम करने और विपक्ष के नैरेटिव का प्रभावी जवाब देने के लिए गंभीर मेहनत करनी होगी, जो 2024 में कमजोर पड़ती दिखाई दी थी। इस लिहाज से उत्तर प्रदेश में ऐसे नेताओं की जरूरत पड़ेगी जो यहां की चुनावी गणित को बेहतर तरीक़े से समझते हों।

संक्षिप्त ख़बरें

बड़ा हादसा : यमुना में नाव पहलटने से 6 लोगों की मौत, मृतकों में 5 नाबालिग...

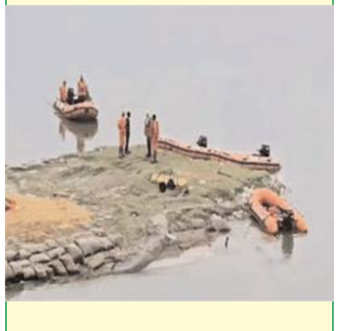

हमीरपुर जिले में यमुना नदी में एक नाव पलटने के बाद पांच बच्चों और एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने शव बरामद किए। मृतकों की पहचान आकांक्षा (9), रानी (9), बृजरानी (25), लाभयांश (5), महेश (6) और आदित्य (11) के रूप में हुई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि भौली ग्राम पंचायत के मजरा कुतुबपुर पटिया में बुधवार शाम यमुना नदी में एक नाव पलट गई जिसके बाद उस पर सवार नौ लोग डूबने लगे। उन्होंने बताया कि नाव चला रहे धीरू नामक किशोर ने तीन लोगों को बचा लिया लेकिन आकांक्षा, रानी, बृजरानी, लाभयांश, महेश और आदित्य डूब गए। थानाध्यक्ष बृजेश कुमार ने बताया कि बचाव टीमों ने बाद में आकांक्षा, लाभयांश, महेश, रानी और बृजरानी के शव बरामद कर लिए जबकि आदित्य का शव बृहस्पतिवार देर शाम बरामद हुआ। इससे पहले उन्होंने बताया था कि सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण बचाव कार्य में टीमों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा। कुरारा के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ग्लैमर की दुनिया छोड़ मथुरा में राधे-राधे जप रहीं एक्ट्रेस, जानिए अध्यात्म की राह पर कैसे पहुंची एना जयसिंघानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लग्जरी लाइफ को छोड़कर अध्यात्म की ओर कदम बढ़ाना एक बहुत ही साहसी और गहरा बदलाव है, जो अक्सर आंतरिक शांति की तलाश में उठाया जाता है। कुछ लोग भौतिक सुख-सुविधाओं छोड़ जब साधना की दुनिया में कदम रख कर सभी को चौंका देते हैं। ऐसा की कर एक टीवी की लोकप्रिय एक्ट्रेस ने सभी को चौंका दिया है।

प्रेमानंद महाराज से एक्ट्रेस ने ली दीक्षा

दरअसल, माया नगरी की चमक-दमक, कैमरों की फ्लैशलाइट और टीवी की लोकप्रिय दुनिया... सबकुछ छोड़कर एक अभिनेत्री ने अब भक्ति और अध्यात्म की राह चुन ली है। टीवी धारावाहिकों से पहचान बनाने वाली एना जयसिंघानी अब वृंदावन में साध्वी जीवन जी रही हैं। कभी ग्लैमरस किरदारों में नजर आने वाली एना अब 'साध्वी एना परी हरिवंशी' के नाम से जानी जा रही हैं। उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज से दीक्षा लेकर आध्यात्मिक जीवन अपना लिया है।

ग्लैमर से भक्ति तक का सफर

टीवी इंडस्ट्री में पहचान बनाने के बाद एना का रुझान धीरे-धीरे अध्यात्म की ओर बढ़ा। उन्होंने बताया कि कुछ दोस्तों के जरिए

उनका जुड़ाव इस्कॉन से हुआ। वहीं से नाम-जप, सत्संग और भगवत गीता की शिक्षाओं में उनकी रुचि बढ़ती चली गई। धीरे-धीरे उन्होंने अपनी जीवनशैली पूरी तरह बदल दी। अब वे सादे वस्त्र पहनती हैं, माथे पर चंदन लगाती हैं और सात्विक जीवन का पालन करती हैं। प्याज-लहसुन छोड़कर उन्होंने पूरी तरह शुद्ध शाकाहारी जीवन अपना लिया है।

वृंदावन में मिला नया जीवन

एना बताती हैं कि वृंदावन आने के बाद उन्हें भक्ति में ऐसी शांति मिली, जिसकी तलाश उन्हें लंबे समय से थी। आश्रम में रहकर उन्होंने धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया, नियमों का पालन किया और अंततः दीक्षा प्राप्त की। अब उनका अधिकतर समय नाम-जप, सेवा और आध्यात्मिक कार्यों में बीतता है। वे वृंदावन में रहकर सोशल मीडिया से जुड़े धार्मिक कार्य भी संभाल रही हैं।

कैसे शुरू हुआ था अभिनय करियर

ग्वालियर में जन्मी एना को बचपन से ही डांस, एक्टिंग और कला में रुचि थी। परिवार के सहयोग से वे मुंबई पहुंचीं और अभिनय की ट्रेनिंग ली। इसके बाद टीवी धारावाहिकों में काम मिलने लगा और 'देखा एक ख्वाब' जैसे शो से उन्हें लोकप्रियता मिली।

'अब कोई इच्छा नहीं '

एना का कहना है कि अब उनकी सबसे बड़ी खुशी राधा रानी की भक्ति में है। उनके अनुसार, अध्यात्म में उन्हें वह सुकून मिला जो ग्लैमर की दुनिया कभी नहीं दे सकी। हालांकि ये कोई पहला मामला नहीं इससे पहले कई लोगों ने किया। ममता कुलकर्णी (Mamta Kulkarni): 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने भी अभिनय छोड़ दिया और बाद में अध्यात्म में लीन हो गई।

जेल जाने के डर ने ली जान! 41 साल पुराने डबल मर्डर केस में मिली उम्रकैद, 70 साल के आरोपी ने लगाई फांसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालौन के सिरसा कलार थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बुजुर्ग द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. बताया गया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दो दिन पहले आजीवन कारावास की सजा बरकरार रखे जाने के बाद से वृद्ध मानसिक तनाव में था. गुरुवार सुबह उसने खेत पर बने ट्यूबवेल के कमरे में गमछे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की पहचान ग्राम पिथउपुर थाना सिरसा कलार निवासी 70 वर्षीय अमर सिंह पुत्र स्वर्गीय बाबूराम के रूप में हुई. ग्रामीणों के मुताबिक, अमर सिंह अपने पुत्र रविंद्र उर्फ मनचुरे के साथ गांव के बाहर खेत पर बने ट्यूबवेल पर रहता था. गुरुवार सुबह जब काफी देर तक वह बाहर नहीं निकला तो परिजनों ने अंदर जाकर देखा. कमरे में अमर सिंह का शव गमछे के सहारे फंदे से लटका मिला. यह दृश्य देखकर परिवार में कोहराम मच गया. सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए. बताया गया कि वर्ष 1984 में गांव में पुरानी रंजिश को लेकर हुए दोहरे हत्याकांड में अमर सिंह नामजद था. आरोप था कि मई 1984 में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव निवासी सरवन और वीरेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस मामले में रामजीवन की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था, जिसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया था. मामले की सुनवाई के दौरान उरई स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अमर सिंह को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. इसके बाद उसने हाई कोर्ट में अपील दायर की थी. अपील के दौरान उसे अस्थायी राहत देते हुए जमानत मिल गई थी और वह लंबे समय से बाहर रह रहा था. हाल ही में हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए अमर सिंह की आजीवन कारावास की सजा कायम रखी थी. परिजनों के अनुसार फैसले के बाद से वह बेहद परेशान और तनाव में चल रहा था. उसे गिरफ्तारी और जेल जाने का डर सता रहा था.

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर बोले राजनाथ, देखने को मिला था तीनों सेनाओं का बेहतरीन तालमेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आज भारत 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह मना रहा है. इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को इस मिशन की तारीफ़ करते हुए इसे आधुनिक युद्ध का एक पैमाना बताया. उन्होंने इसकी बेजोड़ सटीकता और तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन तालमेल का जिक्र किया. उन्होंने अपने बयान में उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए देश के पक्के इरादे और तैयारी का एक मजबूत प्रतीक है. पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पिछले साल 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था. इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए, जिसमें कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए थे. सिंह ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर की सालगिरह पर हम अपनी सेनाओं की बहादुरी और बलिदान

को सलाम करते हैं, जिनका साहस और समर्पण देश की सुरक्षा करता आ रहा है. '

ऑपरेशन सिंदूर ने दिया

रक्षा मंत्री ने कहा, 'इस ऑपरेशन के दौरान उनके कामों में बेजोड़ सटीकता, तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन तालमेल और गहरा सहयोग देखने को मिला, जिसने आधुनिक सैन्य अभियानों के लिए एक नया पैमाना तय किया.' रक्षा मंत्री ने कहा कि यह ऑपरेशन देश के पक्के इरादे और तैयारी का एक मजबूत प्रतीक है, जो यह दिखाता है कि हमारी सेनाएं जब सबसे ज़्यादा जरूरत होती है, तब निर्णायक कार्रवाई करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं.' उन्होंने कहा, 'यह आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में भारत की लगातार प्रगति का भी एक सबूत है, जो हमारी क्षमताओं को बढ़ाते हुए हमारी मजबूती को और पुख्ता करता है.' सिंह गुरुवार को जयपुर में होने वाले संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों और सेना की युद्ध की तैयारियों की पूरी समीक्षा करेंगे.

सेना को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए सम्मेलन

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह सम्मेलन साइबर, अंतरिक्ष और कॉग्निटिव वॉरफेयर (संज्ञानात्मक युद्ध) जैसे उभरते क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों का आकलन करने और एक ऐसी मज़बूत व भविष्य के लिए तैयार सेना बनाने का खाका तैयार करने के लिए एक अहम मंच साबित होगा, जिसके पास निर्णायक बढ़त हो.

पंजाब में बनी रहे अमन-शांति, भाईचारा और सामाजिक एकता शुक्राना यात्रा का दूसरा दिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज श्री हरिमंदिर साहिब में नतमस्तक होकर जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट-2026 को लागू करने की समझ और शक्ति प्रदान करने के लिए परमात्मा का धन्यवाद किया. उन्होंने इस कानून को बेअदबी करने की कोशिश करने वालों के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने तथा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मान-मर्यादा की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कदम बताया. आज श्री हरमिंदर साहिब में नतमस्तक होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की सेवा सौंपने के लिए उनका दिल परमात्मा के प्रति शुक्राने से भरा हुआ है. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सौभाग्यशाली है कि हमें यह ऐतिहासिक कानून पारित करने का अवसर मिला है, जो भविष्य में ऐसी घिनौनी घटनाओं को रोकने में अहम साबित होगा. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हर सिख के लिए पिता समान हैं, जिनकी मान-मर्यादा बनाए

रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है. जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन एक्ट-2026 यह सुनिश्चित करता है कि इस अक्षम्य अपराध के दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को मिसाली सजा का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि बेअदबी की घटनाएं पंजाब की अमन-शांति, भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक एकता को भंग करने के उद्देश्य से रची गई गहरी साजिश का हिस्सा थीं. मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि यह कानून इतनी समझदारी और सख्ती से बनाया गया है कि दोषी ठहराए गए व्यक्ति को मरने तक उम्रकैद की सजा हो सकती है. उन्होंने कहा कि देश के नामी कानूनी विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा करने के बाद इस कानून का मसौदा तैयार किया गया है. उन्होंने कहा कि यह कानून ऐसी घटनाओं के खिलाफ मजबूत व्यवस्था के रूप में काम करेगा और भविष्य में कोई भी ऐसा अपराध करने की हिम्मत नहीं करेगा. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दुनिया भर के लोगों और सिख संगत ने पंजाब विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित इस कानून का स्वागत किया है. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, जहां पूरी सिख संगत ने इस कानून का स्वागत किया है, वहीं शिरोमणि कमेटी के आकाओं ने इसका विरोध किया है क्योंकि बेअदबी से जुड़ी घटनाओं में वे स्वयं शामिल रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य परमात्मा का शुक्राना करना है, जिन्होंने हमें मानवता और पंजाब की सेवा के लिए यह बड़ी और अहम जिम्मेदारी सौंपी है. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंचने वाली संगत का दिल से धन्यवाद किया.

गीत, ज्ञान और मानवता के कवि रवींद्रनाथ

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था और यह तिथि भारतीय इतिहास और संस्कृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। बंगाली परंपरा में उनकी जयंती वैशाख महीने के 25वें दिन (पचीशे बैसाख) को मनाई जाती है, जो हर वर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर में अलग तिथि पर आती है, परंतु 2026 में यह 7 मई को ही पड़ रही है। यह संयोग केवल तिथियों का मेल नहीं है, बल्कि यह उस सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है जिसमें समय बदलता है पर मूल्य स्थिर रहते हैं। टैगोर का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जो साहित्य, कला और सामाजिक चेतना का केंद्र था, और यही परिवेश उनके व्यक्तित्व के निर्माण में निर्णायक सिद्ध हुआ। रवींद्रनाथ टैगोर को विश्वकवि कहा जाता है, और यह उपाधि केवल सम्मान नहीं बल्कि उनकी रचनात्मकता की व्यापकता का प्रमाण है। 1913 में उन्हें उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, जिससे वे इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले गैर यूरोपीय बने। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की महत्वपूर्ण घटना थी बल्कि यह भारतीय साहित्य के वैश्विक स्वीकार का भी क्षण था। गीतांजलि में निहित आध्यात्मिकता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय भावनाओं की गहराई ने दुनिया भर के पाठकों को प्रभावित किया। उनकी भाषा सरल होते हुए भी गहन थी और उनके विचार सीमाओं से परे जाकर मानवता की एकता की बात करते थे। टैगोर की सबसे विशिष्ट पहचान यह है कि उनकी रचनाएँ दो देशों के राष्ट्रगान बनीं। भारत का जन गण मन और बांग्लादेश का आमार सोनार बांग्ला उनकी ही काव्य प्रतिभा के उदाहरण हैं। यह तथ्य उन्हें विश्व साहित्य में एक अनूठा स्थान देता है, क्योंकि ऐसा उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। उनकी रचनाओं में देशभक्ति का स्वर था, परंतु वह संकीर्ण राष्ट्रवाद से परे था। वे मानवता को किसी एक देश या सीमा में बांधकर नहीं देखते थे, बल्कि उनकी दृष्टि वैश्विक थी। वे मानते थे कि सच्चा राष्ट्रवाद वही है जो मानवता का सम्मान करे और सभी के लिए समान अवसर और सम्मान की बात करे। संगीत के क्षेत्र में भी टैगोर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने रवींद्र संगीत की परंपरा को विकसित किया जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत और लोकधुनों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनके गीतों में भावनाओं की गहराई, प्रकृति के प्रति प्रेम और जीवन के विभिन्न रंगों का चित्रण मिलता है। आज भी उनके गीत बंगाल और पूरे भारत में गाए जाते हैं और उनकी लोकप्रियता समय के साथ और बढ़ी है। उनके द्वारा रचित धुनें केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे आत्मा को छूने वाली अनुभूति प्रदान करती हैं। टैगोर का दृष्टिकोण केवल साहित्य और संगीत तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक महान शिक्षाविद और दार्शनिक भी थे। उन्होंने शांतिनिकेतन की स्थापना इस उद्देश्य से की कि शिक्षा प्रकृति के सान्निध्य में दी जाए और विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने और सीखने का अवसर मिले। बाद में यही संस्थान विश्व भारती विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हुआ, जो आज भी उनके आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है। उनका मानना था कि शिक्षा केवल जानकारी प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के भीतर की

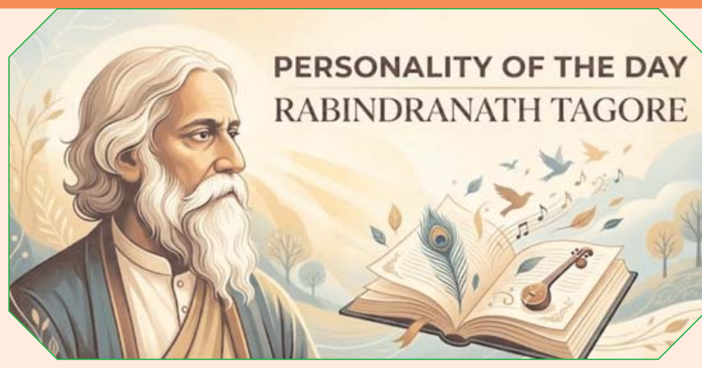

संवेदनशीलता, रचनात्मकता और नैतिकता को विकसित करने का साधन है। वे शिक्षा को जीवन से जोड़कर देखते थे और चाहते थे कि विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित न रहें बल्कि प्रकृति और समाज से भी सीखें। टैगोर के विचारों में मानवतावाद की गहरी भावना थी। वे राष्ट्रवाद के अंधानुकरण के विरोधी थे और मानते थे कि यदि राष्ट्रवाद मानवता के विरुद्ध हो जाए तो वह विनाशकारी बन सकता है। उनके लेखन में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि वे विश्व शांति, सहिष्णुता और भाईचारे के पक्षधर थे। उन्होंने अपने समय की सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वासों और असमानताओं पर भी तीखा प्रहार किया। उनके उपन्यास, कहानियाँ और नाटक समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हैं और पाठकों को सोचने के लिए प्रेरित करते हैं। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे कवि, लेखक, संगीतकार, चित्रकार और दार्शनिक सभी कुछ थे। लगभग 60 वर्ष की आयु में उन्होंने चित्रकला शुरू की और हजारों चित्र बनाए। यह तथ्य यह दर्शाता है कि उनके भीतर सृजन की ऊर्जा जीवन के अंतिम समय तक बनी रही। उनकी चित्रकला भी उतनी ही अभिव्यक्तिपूर्ण थी जितनी उनकी कविताएँ। उन्होंने अपने हर कार्य में नवीनता और मौलिकता को महत्व दिया और यही कारण है कि उनका हर योगदान विशिष्ट बन गया। टैगोर की रचनाओं में स्त्री जीवन, ग्रामीण समाज और मानवीय संबंधों की गहरी समझ दिखाई देती है। उन्होंने समाज में व्याप्त लैंगिक असमानताओं और सामाजिक अन्याय को अपनी कहानियों और उपन्यासों के माध्यम से उजागर किया। उनके पात्र जीवंत होते हैं और उनकी समस्याएँ वास्तविक जीवन से जुड़ी होती हैं। वे केवल मनोरंजन के लिए नहीं लिखते थे, बल्कि उनके लेखन का उद्देश्य समाज में जागरूकता लाना और परिवर्तन की प्रेरणा देना था। उनकी प्रसिद्ध पंक्ति चित्त जेथा भयशून्य, उच्च जेथा शिर आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह पंक्ति एक ऐसे समाज की कल्पना प्रस्तुत करती है जहां लोग भयमुक्त हों, जहां ज्ञान स्वतंत्र हो और जहां संकीर्णता का स्थान न हो। यह विचार आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। जब दुनिया विभिन्न प्रकार के संघर्षों और विभाजनों से जूझ रही है, तब टैगोर के विचार हमें एक बेहतर और मानवीय समाज की ओर मार्गदर्शन देते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर का जीवन और कार्य यह सिद्ध करता है कि सच्ची महानता केवल उपलब्धियों में नहीं बल्कि उन मूल्यों में होती है जो व्यक्ति समाज को देता है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह दिखाया कि कला, साहित्य और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उनकी सोच आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि हमें अपने जीवन में मानवता, संवेदनशीलता और रचनात्मकता को स्थान देना चाहिए। उनकी जयंती केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक अवसर है उनके विचारों को समझने और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का। पचीशे बैसाख के दिन जब लोग उनके गीत गाते हैं और उनकी रचनाओं को याद करते हैं, तब यह केवल एक महान कवि को श्रद्धांजलि नहीं होती बल्कि यह उस सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव होता है जिसे उन्होंने हमें दिया। टैगोर की विरासत समय के साथ और अधिक प्रासंगिक होती जा रही है, क्योंकि उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने की क्षमता रखते हैं। इस प्रकार रवींद्रनाथ टैगोर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक जीवित प्रेरणा हैं, जिनकी रचनाएँ और विचार आज भी हमें बेहतर मनुष्य बनने की ओर प्रेरित करते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सृजन, संवेदना और शिक्षा के माध्यम से हम दुनिया को अधिक सुंदर और मानवीय बना सकते हैं।

महेन्द्र तिवारी

मुकदमों का बढ़ता बोझ न्याय व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती भाग-2

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

'तारीख़ पर तारीख' मिलना देश में न्याय व्यवस्था को पीछे करती आ रही है और यही आम आदमी की धारणा भी बन चुकी है। एक छोटे से मुकदमे में जहां न तो गवाह मिल रहे हैं और न ही सबूत, लेकिन उस पर भी तारीख़ पर तारीख आम बात हो चुकी है जब कि उस मुकदमें में कुछ बचा नहीं होता है, केवल फैसला आना बाकी रह जाता है लेकिन न्यायालय में जजों की कमी से फाइलों के ढेर लग रहे हैं। वादी प्रतिवादी तारीखों पर आते हैं और फिर से नई तारीख लेकर चले जाते हैं। मुकदमों का बढ़ता बोझ न्याय व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है। अदालतों में लंबित मामलों की संख्या करोड़ों में है, जिससे न्याय मिलने में देरी होती है और आम नागरिक का भरोसा भी कमजोर पड़ता है। इस समस्या का समाधान बहुआयामी सुधारों के माध्यम से ही संभव है। अगर न्याय प्रक्रिया में सुधार करना है तो हमें कई पहलुओं पर विचार करना होगा और उनको अमल में लाना होगा। कोर्ट रुम के बाहर हमने भीड़ को देखा है लेकिन वह भीड़ बिना बहस, बिना किसी निर्णय के अगली तारीख लेकर चली जाती है। हमारे देश की आजादी 140 करोड़ से ऊपर है लेकिन कोर्ट वही हैं जजों की संख्या में इजाफा न के बराबर हुआ है। यदि इन सबसे हमें निजात पानी है तो सबसे पहले, न्यायपालिका में जजों की संख्या बढ़ाने की व्यवस्था पर ध्यान देना होगा। वर्तमान में प्रति लाख जनसंख्या पर जजों की संख्या बहुत कम है। नए न्यायाधीशों की नियुक्ति और खाली पदों को शीघ्र भरना जरूरी है ताकि मामलों का तेजी से निपटारा हो सके। दूसरा महत्वपूर्ण कदम है तकनीक का अधिक उपयोग। ई-कोर्ट्स, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल फाइलिंग जैसे उपाय मुकदमों की प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बना सकते हैं। इससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। यदि वाली, प्रतिवादी, गवाह निश्चित तारीख पर किसी कारण से कोर्ट में उपस्थित नहीं हो पा रहा है तो उसके लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा उनके बयान दर्ज करने के विकल्प बढ़ाने होंगे। जिससे समय की बचत होगी और मुकदमा जल्दी खत्म होगा। वर्तमान व्यवस्था में कभी वादी कभी प्रतिवादी और कभी गवाह आने में असमर्थ होता है और फिर एक नई तारीख दे दी जाती है। वैसे कई जगह वीडियो कांफ्रेंसिंग को बढ़ावा दिया जाता है लेकिन इसे अब सर्व मान्य करना होगा। तीसरा, वैकल्पिक विवाद समाधान जैसे मध्यस्थता, सुलह और पंचाट को बढ़ावा देना चाहिए। छोटे और कम जटिल मामलों को अदालत के बाहर ही सुलझाया जा सकता है, जिससे अदालतों पर बोझ कम होगा। इसके अलावा, सरकारी विभागों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी क्योंकि बड़ी संख्या में मुकदमे सरकार से जुड़े होते हैं। यदि सरकारी नीतियों और फैसलों में पारदर्शिता और स्पष्टता हो, तो अनावश्यक मुकदमों से बचा जा सकता है। कानूनी प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाना भी जरूरी है। बार-बार की तारीखों और लंबी प्रक्रियाओं से बचने के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे। जनता में कानूनी जागरूकता बढ़ाना भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे, तो विवाद कम होंगे और मुकदमों की संख्या भी घटेगी।, मुकदमों का बोझ कम करने के लिए न्यायपालिका, सरकार और समाज–तीनों को मिलकर प्रयास करने होंगे। तभी देश में न्याय सुलभ, त्वरित और प्रभावी बन सकेगा। आज की व्यवस्था में एक मेडिकल सर्टिफिकेट लगाकर कोई भी व्यक्ति अनुपस्थित हो जाता है जिससे मुकदमे में देरी होती है, इस व्यवस्था पर कड़ाई से पालन करना होगा तभी हम न्यायालयों में फाइलों के बोझ को कम कर सकते हैं। भारतीय न्याय व्यवस्था में देश की जनसंख्या के हिसाब से न्यायाधीशों की संख्या काफी कम है और जजों की यह कमी न्याय व्यवस्था में देरी का सबसे बड़ा कारण बनकर सामने आता है। यदि हम आंकड़ों की बात करें तो जनवरी 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक देश में प्रति दस लाख लोगों पर 22 जज हैं जो कि काफी कम हैं। देश में कानून आयोग ने 1987 में सिफारिश की थी कि प्रति दस लाख लोगों पर जजों की संख्या कम से कम 50 होनी चाहिए जो कि अभी आधी से भी कम है। यही कारण है कि एक छोटे से मुकदमे के परिणाम में लोगों को वर्षों का इंतजार करना पड़ता है।

भवानीपुर की हार ने लिखी सियासी विदाई की पटकथा

[एक युग का लॉगआउटः बंगाल की राजनीति में नया लॉगिन]

[ममता का पॉलिटिकल संन्यास? भवानीपुर की हार के बाद उठ रहे सवाल]

सियासी फलक पर आज ऐसा सूरज डूबा है, जिसने वर्षों तक बंगाल की दिशा तय की थी। 4 मई 2026 का दिन राज्य की राजनीति में एक युगांतकारी मोड़ बनकर दर्ज हो गया। ममता बनर्जी, जिन्हें 'दीदी' कहकर सम्मान दिया जाता था, अब पराजय की प्रतीक बन चुकी हैं। भवानीपुर में सुवेंदु अधिकारी ने उन्हें 15,105 वोटों से हराकर यह स्पष्ट कर दिया कि कोई भी गढ़ अब अजेय नहीं रहा। जनता का निर्णय न केवल स्पष्ट, बल्कि कठोर और अंतिम है। 15 वर्षों से कायम टीएमसी सत्ता का ढांचा आज पूरी तरह भरभराकर गिर पड़ा। बीजेपी ने बहुमत के साथ 200 से अधिक सीटें जीतकर बंगाल में 'पोरिबर्तन 2.0' की ऐतिहासिक इबारत लिख दी। ममता की यह करारी हार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक पूरी विचारधारा और शासन शैली की हार बन गई है। जनता के धैर्य का बाँध अंततः टूट गया और उसका तीव्र प्रतिफल इस करारी पराजय में स्पष्ट झलक उठा। संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार, आरजी कर अस्पताल प्रकरण, शिक्षक भर्ती घोटाला तथा लाखों युवाओं की बेरोजगारी–इन सभी ने ममता की 'ममता' वाली छवि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। भवानीपुर, जिसे उनका अभेद्य गढ़ माना जाता था, वहीं सुवेंदु ने 15,105 मतों से उन्हें निर्णायक शिकस्त दी। मतगणना के प्रत्येक चरण में टीएमसी की स्थिति लगातार कमजोर पड़ती गई। कभी 'स्ट्रीट फाइटर' के रूप में पहचानी जाने वाली ममता की छवि अब धूमिल स्मृति बनकर रह गई है। जनता ने स्पष्ट, कठोर और अंतिम संदेश दे दिया–अब और नहीं। इस चुनाव में महिलाओं और युवा मतदाताओं की भूमिका खासतौर पर निर्णायक रही, जिन्होंने संदेशखाली और आरजी कर जैसे मुद्दों पर खुलकर अपना गुस्सा दिखाया। सत्ता का चक्र इस बार ऐसा पलटा कि 2021 की टीस 2026 में दुगुनी धार बनकर लौटी। 2021 में महज 1,956 वोटों से मिली हार के बाद ममता ने भवानीपुर का सहारा लिया था, लेकिन इस बार भवानीपुर में उनका आधार बिखर गया। सुवेंदु अधिकारी, जो कभी टीएमसी के भीतर थे, आज बीजेपी के सबसे धारदार हथियार बनकर उभरे। हिंदू वोटों का एकीकरण, मुस्लिम वोट बैंक में दरार और विकास की तीव्र मांग ने ममता को चारों ओर से घेर लिया। भवानीपुर जैसे शहरी क्षेत्र में भी बदलाव की लहर इतनी प्रबल थी कि उनका कोई प्रभाव नहीं चल पाया। राजनीति का यह कठोर सच फिर सामने आया–जो जनता की आवाज नहीं सुनता, जनता उसे सत्ता से बेदखल कर देती है। सियासत के इस मोड़ पर सबसे बड़ा प्रश्न अब यही उठ रहा है–क्या ममता अब सक्रिय राजनीति से संन्यास लेंगी? 71 वर्ष की उम्र, लगातार स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, दल के भीतर बढ़ती असंतोष की लहर और भवानीपुर से मिली करारी हार के बाद उनके विकल्प बेहद सीमित रह गए हैं। टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता पहले ही बीजेपी की ओर रुख करते दिखाई दे रहे हैं। यदि ममता सदन तक नहीं पहुंच पातीं, तो उनका विपक्षी चेहरा भी काफी कमजोर पड़ जाएगा। क्या वे अब राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास करेंगी, या बंगाल की राजनीति से हमेशा के लिए दूरी बना लेंगी? कई विश्लेषक इसे उनके राजनीतिक करियर का बड़ा मोड़ मान रहे हैं। 'दिल्ली पर कब्जा' का नारा अब केवल खोखली गूंज बनकर रह गया है। ममता बनर्जी ने परिणाम आने के बाद चुनाव आयोग पर भारी अनियमितताओं और साजिश का आरोप लगाया, साथ ही केंद्रीय बलों पर कार्यकर्ताओं पर अत्याचार का आरोप भी लगाया। संघर्ष की आग में तपकर उभरा यह नेतृत्व, लंबे सत्ता काल में अपनी ही चमक खो बैठा–ममता के साथ भी यही हुआ। उन्होंने लेफ्ट के 34 साल के शासन को ध्वस्त किया था, पर अपनी 15 साल की सत्ता में वही भूलें दोहराई–परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण। बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब आयुष्मान भारत, सुदृढ़ कानून व्यवस्था और तेज औद्योगिक निवेश की नई उम्मीद जाग उठी है। बंगाल के युवा और महिलाएं, जो आरजी कर और सैंडेशखाली के बाद सड़कों पर उतरे थे, आज खुलकर जीत का उत्सव मना रहे हैं। इस बार महिलाओं और नए मतदाताओं का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। ममता की हार केवल सीटों की नहीं, बल्कि भरोसे और विश्वसनीयता की गहरी पराजय है। सियासी भूचाल ने टीएमसी की जड़ों तक को हिला दिया है–भवानीपुर में मिली अंतिम हार इसका स्पष्ट संकेत है। घोटालों और हिंसा के आरोपों से पहले ही घिरी पार्टी अब नेतृत्व के संकट से जूझ रही है। ममता के बिना टीएमसी का भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा है, और कई नेता पाला बदलने की तैयारी में हैं। बीजेपी की 'लोटस फ्रॉम गंगोत्री टू गंगासागर' रणनीति पूरी तरह सफल रही।

पीएम मोदी ने इसे जनता की विजय बताया। बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार बनने की स्थिति बन चुकी है। यह परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव है। 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए भी इससे नए द्वार खुल गए हैं। बंगाल के आकाश पर अब एक नई भोर की किरण साफ झलक रही है। ममता बनर्जी की भवानीपुर हार केवल एक नेता की पराजय नहीं, बल्कि 15 वर्षों से चले आ रहे भ्रष्टाचार, हिंसा और तुष्टिकरण के पूरे मॉडल का पतन है। इतिहास बार-बार यही सिखाता है कि जो समय के साथ कदम नहीं मिलाता, समय उसे पीछे छोड़ देता है। ममता संन्यास लें या संघर्ष जारी रखें, बंगाल अब विकास, सुरक्षा और सुशासन की दिशा में आगे बढ़ चुका है। अब प्रश्न यह नहीं कि ममता क्या करेंगी, बल्कि यह है कि नई सरकार राज्य को कितनी तेजी से प्रगति की ओर ले जाएगी। जनता ने अपना निर्णय सुना दिया है–और यह निर्णय अंतिम है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता

जीवन की शांत बगिया में
कुछ पल
काँटों की तरह
आत्मा में चुभे रह जाते
बिना दुख दिए
एक धीमी कसक छोड़ते हुए,
किसी पुराने सवाल के
अधूरे उत्तर मानिंद।

कुछ पल
धीमी-धीमी रिमझिम फुहार बनकर
गिरते हैं भीतर,
भीगता नहीं शरीर,
भीगती यादें
और हम
अनजाने ही
थोड़े संकुचित हो जाते ।

समय
इन दोनों के बीच से गुजरता
बिना बताए
कि कौन-सा क्षण
जीवन होगा
और कौन-सा
सिर्फ एक गुजरता हुआ पल ।

संजीव ठाकुर

जनादेश का सरेआम अपमान करतीं - ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की जनता ने हाल ही में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव में डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार को नकारते हुए भारतीय जनता पार्टी को राज्य में पहली बार स्पष्ट बहुमत का जनादेश दिया है। यह जनादेश केवल सत्ता परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि शासन शैली के प्रति जनता की स्पष्ट प्रतिक्रिया भी माना जाना चाहिए। किन्तु, इस परिदृश्य में यदि कोई राजनीतिक दल या नेता जनादेश को स्वीकार करने के बजाय उस पर प्रश्नचिह्न लगाने का प्रयास करता है, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध माना जाएगा। चुनाव परिणामों के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति, विशेषकर बिना ठोस प्रमाण के, लोकतंत्र की गरिमा को आहत करती है। यह सर्वविदित है कि लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है। मतदाता अपने विवेक से सरकार चुनते हैं और उसी अधिकार से उसे बदलने का भी सामर्थ्य रखते हैं। अतः चुनाव परिणामों को सम्मानपूर्वक स्वीकार करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का नैतिक दायित्व है। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में तीव्र ध्रुवीकरण देखने को मिला है। ऐसे में यह अपेक्षा और भी बढ़ जाती है कि सभी पक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए संयम और परिपक्वता का परिचय दें। सत्ता परिवर्तन की स्थिति में शांतिपूर्ण संक्रमण ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी होता है। जनादेश को अस्वीकार करने या उस पर संदेह प्रकट करने से न केवल मतदाताओं की भावना आहत होती है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठते हैं। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। अतः आवश्यक है कि सभी राजनीतिक दलो के नेता और खुद ममता बनर्जी जनादेश का सम्मान करें, लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें और जनता के विश्वास को सर्वोपरि मानते हुए आगे की राजनीति को सकारात्मक दिशा दें। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

अरविंद रावल

अमेरिका,इजरायल और ईरान के बारूद के खेल से मानवता सर्वनाश की ओर

अमेरिका इजरायल और ईरान के महत्वाकांक्षी और विस्तार के अतिरेक के धनी राष्ट्र प्रमुखों ने अपने देश के साथ-साथ पूरी दुनिया में आर्थिक संकट तथा वैश्विक अशांति बारूद के माध्यम से पैदा कर दी है। न केवल उनके अपने देश के नागरिक असुरक्षित हैं बल्कि पूरे विश्व की मानव सभ्यता को खतरा नजर आने लगा है। यह बात एकदम समझ से परे है की हर बात का हिंसा ही समाधान नहीं हो सकता, वार्ता और विचारों से भी कई बड़े-बड़े मसले हल किये जा सकते हैं फिर कितने व्यापक खून खराबे और युद्ध की क्या आवश्यकता है। महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र बताया था,उनका प्रसिद्ध कथन है कि 'आँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।' उन्होंने यह भी कहा कि 'अहिंसा मानवता का परम धर्म है,' और यह स्पष्ट किया कि स्थायी शांति केवल सत्य और अहिंसा के मार्ग से ही संभव है, न कि युद्ध से। ज्ञान, संवेदना और मानवता से परे जब महायुद्ध की आहट सुनाई देती है, तब केवल सीमाओं का विस्तार या सत्ता का संघर्ष नहीं होता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता अपनी आत्मा के संकट से गुजरती है। यह वही समय होता है जब विज्ञान, जो मानव कल्याण का साधन होना चाहिए था, विनाश का औजार बन जाता है और ज्ञान, जो प्रकाश फैलाने के लिए था, अंधकार को और गहरा कर देता है। आज का महायुद्ध केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं रहा, यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर हमलों और परमाणु शक्ति के रूप में इतना भयावह हो चुका है कि इसका परिणाम केवल हार-जीत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। गौतम बुद्ध ने करुणा और

शांति को जीवन का मूल आधार माना था, उनका संदेश था घृणा से घृणा कभी समाप्त नहीं होती, प्रेम से ही समाप्त होती है। यह विचार बताता है कि युद्ध की आग को केवल प्रेम और समझदारी से ही बुझाया जा सकता है। जब एक देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन करता है, तो वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि अनजाने में दूसरे देशों के लिए भय, असुरक्षा और विनाश का कारण भी बन जाता है। यही शक्ति संतुलन की असमानता महायुद्ध की नींव रखती है, जहाँ एक का सामर्थ्य दूसरे के लिए संकट बन जाता है और यह संकट धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेता है। आज मानवता चीख रही है, रो रही है, क्योंकि जिन हाथों ने मशीनें बनाई थीं, उन्हीं हाथों ने विनाश के हथियार भी गढ़ लिए हैं। वैज्ञानिक प्रगति का यह विडंबनापूर्ण रूप हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में विकसित हुए हैं या केवल विनाश के नए-नए तरीके खोज लिए हैं। युद्ध के मैदान में गिरता हर सैनिक केवल एक शरीर नहीं होता, वह किसी का बेटा, किसी का पिता, किसी का सपना होता है, और जब वह गिरता है, तो उसके साथ कई जीवन बिखर जाते हैं। बच्चों की मासूमियत, माताओं की ममता और बुजुर्गों की आशाएँ इस महायुद्ध की भेंट चढ़ जाती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्ध का अंत शांति में नहीं हो सकता, क्या संवाद और वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला जा सकता। इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जहाँ युद्ध ने केवल विनाश दिया, वहीं शांति वार्ताओं ने नए युग की शुरुआत की है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी यही कहा कि अंधकार अंधकार को नहीं मिटा सकता, केवल प्रकाश ही ऐसा कर सकता है,और यह प्रकाश केवल शांति और संवाद के माध्यम से ही संभव है।' जब राष्ट्र अपने अहंकार और शक्ति प्रदर्शन को त्यागकर एक-दूसरे के साथ बैठते हैं, तो समस्याओं का समाधान निकलता है, क्योंकि संवाद वह सेतु है जो दुश्मनी को भी दोस्ती में बदल सकता है। आज की दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि युद्ध कोई समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम है। विज्ञान का उपयोग यदि मानव कल्याण के लिए किया जाए, तो यह जीवन को सरल और सुंदर बना सकता है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया गया, तो यह पूरी सृष्टि को विनाश के कगार पर पहुँचा सकता है। अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक, जिन्होंने परमाणु युग की शुरुआत देखी, उन्होंने चेतावनी दी मुझे नहीं पता तीसरा विश्व युद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्व युद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कहना।विज्ञान के दुरुपयोग की भयावह परिणति को दर्शाता है।

उन्होंने यह भी कहा कि 'शांति बलपूर्वक नहीं रखी जा सकती, यह केवल समझ से प्राप्त होती है।' हमें यह तय करना होगा कि हम अपने ज्ञान का उपयोग किस दिशा में करना चाहते हैं,सृजन की ओर या विनाश की ओर। महायुद्ध की यह भयावह छाया हमें चेतावनी देती है कि यदि हमने समय रहते अपने मार्ग को नहीं बदला, तो वह दिन दूर नहीं जब मानवता केवल इतिहास की पुस्तकों में ही रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि विश्व के सभी राष्ट्र अपने मतभेदों को भुलाकर शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व के मार्ग को अपनाएँ। युद्ध के स्थान पर यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, तो न केवल संघर्ष टल सकते हैं, बल्कि एक बेहतर और सुरक्षित दुनिया का निर्माण भी संभव है। अंततः यह मानवता की परीक्षा का समय है, जहाँ हमें यह साबित करना होगा कि हम केवल तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी विकसित हैं, और यही विकास हमें महायुद्ध की विभीषिका से बचाकर शांति के मार्ग पर आगे बढ़ा सकता है।

संजीव ठाकुर

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

कस्तूरबा विद्यालय व कान्हा गौशाला का एसडीएम ने किया औचक निरिक्षण

कान्हा गौशाला व विद्यालय मे किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदास्त नही- प्रतीक्षा त्रिपाठी

गोला गोकर्णनाथ खीरी- गोला उप जिला अधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने गोल तहसील क्षेत्र के आवासीय कस्तूरबा विद्यालय का औचक निरीक्षण कर बच्चियों के खान पान, पढाई ,आवासीय स्थितियों की गहनता से जांच की वही स्कूल के शाम के नाश्ते में भुने चने नहीं पाए जाने पर विद्यालय के संचालन कर्ता व व्यवस्थापको से नाराजगी जाहिर करते हुये पोषण युक्त खानपान और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देशस्व जनगणना के बारे में किया जागरूक किया इसके पश्चात नगरपालिका गोला के अंतर्गत आने बाली गौशाला मुड़ा सरकटा कान्हा गौशाला का औचक निरिक्षण किया, इस दौरान उप जिला अधिकारी को निरिक्षण के दौरान मिली खामियां, वही अधूरे रजिस्टर, भूसा स्टॉक की बडी कमी व गौशाला में बारिश के दौरान पानी निकासी की व्यवस्था व होना, गौशाला की फर्स आदि जर्जर होना,साथ ही इओ गोला और जेई गोला को अतिशीघ्र ही व्यवस्था ठीक करने का निर्देश दिया है।

राजापुर का सियाराम हॉस्पिटल के अवैध रूप से संचालित होने का आरोप

ऑपरेशन-डिलीवरी कर मरीजों की जान से खिलवाड़

लखीमपुर खीरी- लखीमपुर शहर के राजापुर इलाके में स्थित सियाराम हॉस्पिटल पर अवैध रूप से संचालन के गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में नियमों को ताक पर रखकर ऑपरेशन, नॉर्मल व सिजेरियन डिलीवरी समेत सभी गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है।

क्या है आरोप-

1.बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा अस्पताल-- आरोप है कि सियाराम हॉस्पिटल के पास क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत जरूरी रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस नहीं है।

2. अवैध रूप से ओटी चला रहे है ओटी मे गंन्दगी का अभाव है

3.योग्य डॉक्टरों का अभाव-- स्थानीय लोगों का दावा है कि अस्पताल में ऑपरेशन और डिलीवरी जैसे संवेदनशील केस अनट्रेंड स्टाफ से कराए जा रहे हैं।

4. 24 घंटे इमरजेंसी का बोर्ड, हकीकत में खतरा अस्पताल के बाहर '24 घंटे इमरजेंसी एवं एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध' का बड़ा बोर्ड लगा है, लेकिन मरीजों के परिजनों का आरोप है कि यहां जान जोखिम में डाली जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर सवाल-

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि जिले में पहले भी अवैध अस्पतालों पर कार्रवाई हो चुकी है, फिर भी सियाराम हॉस्पिटल कैसे खुलेआम चल रहा है? आखिर किसकी शह पर नियमों को ताक पर रखकर मरीजों के जीवन से खिलवाड़ हो रहा है।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा,एक की मौत,दूसरा गंभीर रूप से घायल

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती कस्बे में बुधवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई और,,,उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुचा कर मामले की जांच शुरू कर दी,, आपको बताते चलें कानपुर सागर हाइवे पर सजेती कस्बे में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया,, एक तेज़ रफ़्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, इससे बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया, बुधवार सुबह एक बाइक पर सवार होकर दो युवक कानपुर सागर हाइवे से गुजर रहे थे,,तभी सजेती कस्बे के पास एक अज्ञात वाहन ने टक्कर बाइक में जोरदार टक्कर मार दी,इस टक्कर में एक युवक की जान चली गई, वहीं पीछे बैठा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, और घायल को अस्पताल भेजा,, थानाध्यक्ष सजेती अनुज कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मौसम खुलते ही बढ़ी गेहूँ खरीद की रफ्तार

● 128 किसानों से 5304 कुंतल गेहूं की खरीद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। तहसील क्षेत्र में गेहूं खरीद ने रफ्तार पकड़ ली है। अब तक पांच राजकीय क्रय केंद्रों पर 128 किसानों से कुल 5304 कुंतल गेहूं खरीदा जा चुका है। मौसम साफ होते ही खरीद में तेजी आई है। किसान अपनी उपज लेकर केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। नवीन कृषि मंडी परिसर स्थित खाद्य एवं विपणन विभाग के क्रय केंद्र संख्या एक पर 1303 कुंतल गेहूं की खरीद हुई। वहीं क्रय केंद्र संख्या दो पर 1357 कुंतल गेहूं खरीदा गया। मंडी परिसर के ही एक अन्य क्रय केंद्र पर 36 किसानों से 1155 कुंतल गेहूं की खरीद दर्ज की गई। पीसीयू के इब्राहिमपुर क्रय केंद्र पर 800 कुंतल गेहूं खरीदा गया। खींरो क्रय केंद्र पर 18 किसानों से 789 कुंतल गेहूं की खरीद हुई। सभी केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है। किसानों ने इस बार की फसल को संतोषजनक बताया। गौरा रुपई गांव के किसान मुकेश त्रिवेदी और सनद द्विवेदी ने कहा कि इस बार गेहूँ की पैदावार ठीक ठाक रही। कटाई के समय मौसम जरूर खराब हुआ लेकिन क्षेत्र में ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।सातनपुर गांव के किसान दुर्गा शंकर ने बताया कि सरकार की ओर से खोले गए क्रय केंद्रों से उन्हें सुविधा मिली। गेहूं बेचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई।

खाद्य एवं विपणन विभाग के क्रय केंद्र संख्या एक के प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि अब मौसम साफ हो चुका है। किसान गेहूं सुखाकर केंद्र पर ला रहे हैं। इससे खरीद गति पकड़ चुकी है।

केंद्र न होने से किसानों की बढ़ी परेशानी, दूर ले जानी पड़ रही उपज

तहसील क्षेत्र के मलकेगांव, खजूरगांव और पाहो में इस बार गेहूं क्रय केंद्र न बनाए जाने से किसानों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को अपनी उपज लेकर दूर स्थित क्रय केंद्रों तक जाना पड़ रहा है। इससे समय और खर्च दोनों बढ़ रहे हैं। प्रगतिशील किसान सुशील शुक्ला ने बताया कि नजदीक क्रय केंद्र न होने से कई किसानों को दिक्कत हो रही है। मजबूरी में उन्हें अपनी उपज आढ़तियों को बेचनी पड़ रही है। इससे उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। खजूरगांव के किसान राजेश भदौरिया ने कहा कि पहले गांव में ही क्रय केंद्र बन जाता था। इससे गेहूं बेचने में आसानी रहती थी। इस बार केंद्र न बनने से स्थिति बदल गई है। अब किसानों को दूर के केंद्रों तक जाना पड़ रहा है। किसान रामेंद्र सिंह, राजभान यादव और दुर्गेश आदि ने बताया कि इस बार कई स्थानों पर क्रय केंद्र शुरू नहीं किए गए हैं। इसका सीधा असर छोटे किसानों पर पड़ रहा है। छोटे काश्तकारों के पास साधन कम होते हैं। ऐसे में वे दूर तक उपज ले जाने में असमर्थ हैं। किसानों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें अपनी फसल औने पौने दामों में आढ़तियों को बेचनी पड़ रही है। इससे उनकी मेहनत का पूरा मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

नेशनल हाईवे 34 व 19 पर ओवर स्पीड वाहनों पर हो रही है बड़ी कार्यवाही

● 325 वाहनों के चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 8 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग - 34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 6.05.2026 को की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 40 ट्रक, 02 बस, 83 चार पहिया / दो पहिया 125 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चलान गया। राष्ट्रीय राजमार्ग- 19 पर 02 ट्रक, 132 चार पहिया / दो पहिया 134 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 63 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर ने आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें। रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें। यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें। शराब पीकर वाहन न चलायें। नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

नगर पंचायत प्रशासन ने शुरू किया अतिक्रमण चिन्हांकन

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर पंचायत प्रशासन ने कस्बे में अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। बुधवार को टीम ने बाजार में चिन्हांकन किया। अधिकारियों ने दुकानदारों को नाली के आगे सामान न रखने की हिदायत दी। उन्हें तय सीमा के भीतर ही दुकान लगाने के निर्देश दिए। इससे नगर की बाजार में लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। अभियान वीरावासी चौक से शुरू होकर करुना बाजार चौराहा, मेनरोड और यसपाल कपूर मार्ग तक चलाया गया। कर्मचारियों ने सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को चिन्हित किया। जिन दुकानदारों ने दुकानों के सामने कब्जा कर रखा था उन्हें मौके पर समझाया गया। सभी दुकानदारों को चिन्हित रेखा के पीछे ही सामान रखने के निर्देश दिए गए। नगर पंचायत ने चेतावनी भी जारी की है। तय सीमा के आगे सामान मिलने पर जुर्माना लगाया जाएगा। बार बार उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ने पर सामान जब्त किया जाएगा। अधिशासी अधिकारी राजभान शुक्ला ने बताया कि बाजार में चिन्हांकन शुरू कर किया गया है।दुकानदारों को समय दिया गया है। जो लोग स्वयं अतिक्रमण हटा लेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। लेकिन जो नियम नहीं मानेंगे उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। कहा कि चिन्नाकन पूरा होने के बाद विशेष अभियान चलाया जाएगा। टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को हटाएगी।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

रायबरेली:- मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/ वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ईवीएम/ वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव, उप जिलाधिकारी राजेश श्रीवास्तव प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बनी काल, बलेनो की टक्कर से युवक की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। बुधवार दोपहर शारदा नगर थाना क्षेत्र के पतारासी रोड पर तेज रफ्तार ने एक युवक की जान ले ली। सिल्वर रंग की बलेनो कार ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के बाद चालक कार समेत फरार हो गया।

कैसे हुआ हादसा

घटना बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। कालिका पुरवा निवासी 28 वर्षीय सूर्य प्रकाश वर्मा पतारासी रोड से बाइक पर गुजर रहे थे। तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बलेनो कार संख्या P xv AZ 1247 ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सूर्य प्रकाश उछलकर सड़क पर गिरे और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

चश्मदीदों ने बताया

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की गति बहुत अधिक थी। टक्कर मारने के बाद चालक वाहन लेकर मौके से भाग निकला। हादसे के तुरंत बाद सड़क पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे आवागमन बाधित हो गया।

पुलिस कार्रवाई

सूचना मिलते ही शारदा नगर थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ को हटाकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

वर्जन- थाना प्रभारी ने बताया कि कार नंबर P xv AZ 1247 के आधार पर वाहन मालिक की पहचान कर ली गई है। फरार चालक की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुर्घटना/हादसा

परिवार में मातम, लोगों में आक्रोश

सूर्य प्रकाश की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पतारासी रोड पर स्पीड ब्रेकर लगाने और तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती की मांग की है। लोगों का कहना है कि इस सड़क पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। जिले के आला अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

संघर्ष की जीतः हरिओम मिश्र 'राजेन्द्र' के प्रयासों से फिर जगा शिक्षा का दीप

● राजकीय महिला महाविद्यालय में शुरू हुआ नामांकन

दशकभर से बंद पड़े 'शिक्षा के मंदिर' में लौटी रौनक, अब बेटियों को नहीं करना पड़ेगा भटकाव

आमजन से अधिकाधिक प्रवेश की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालगांव सीतापुर- कभी खामोशी में डूबा, वीरान खड़ा एक महाविद्यालय... जिसकी दीवारें सालों तक छात्राओं की आहट का इंतजार करती रहीं। जनपद मुख्यालय के शेख सराय काजियारा, पुराने सीतापुर में स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय लगभग एक दशक तक बनकर भी बंद पड़ा रहा—मानो 'शिक्षा का मंदिर' अपने ही द्वार बंद किए बैठा हो। यह वही महाविद्यालय है, जिसकी जरूरत हर उस बेटी को थी जो आगे पढ़ना चाहती थी, लेकिन सीटों की कमी और आर्थिक तंगी के चलते अपने सपनों से समझौता कर लेती थी। कई छात्राओं को मजबूरी में दूसरे जनपदों का रुख करना पड़ता था, जबकि अनेक बेटियां घर की चौखट तक ही सीमित रह जाती थीं। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। वर्षों के लंबे इंतजार और संघर्ष के बाद इस बंद पड़े महाविद्यालय के दरवाजे आखिरकार खुल गए हैं। इस बदलाव के पीछे लोक निर्माण संघ के संस्थापक अध्यक्ष हरिओम मिश्र 'राजेन्द्र' का लगातार प्रयास और जिद सबसे बड़ा कारण बनकर सामने आई है।

बताया जाता है कि हरिओम मिश्र ने इस मुद्दे को लगातार उठाया, शासन-प्रशासन तक आवाज पहुंचाई और हार नहीं मानी। उनके इसी संघर्ष का परिणाम रहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग सक्रिय हुआ और इस महाविद्यालय को संचालित करने की प्रक्रिया शुरू हुई। अब वर्ष 2026-27 के लिए यहां नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जो जनपद की बेटियों के लिए किसी नई सुबह से कम नहीं है। महाविद्यालय परिसर में महिला छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे दूर-

दराज क्षेत्रों की छात्राओं को रहने की परेशानी नहीं होगी। हरिओम मिश्र 'राजेन्द्र' ने इसे जनपद की बेटियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब सीतापुर की बेटियों को शिक्षा के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। यह महाविद्यालय उनके सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा, खासकर उन परिवारों के लिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। आज यह महाविद्यालय सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि उम्मीद की एक नई किरण बन चुका है—जहां से हजारों बेटियों के सपनों को उड़ान मिलेगा।

अपील- जनपद के सभी अभिभावकों से आग्रह है कि वे अपनी बेटियों का अधिक से अधिक संख्या में इस राजकीय महिला महाविद्यालय में प्रवेश कराएं और इस सराहनीय पहल को सफल बनाने में सहयोग दें। क्योंकि बंद दरवाजे जब खुलते हैं, तो सिर्फ रास्ते नहीं—किस्मतें भी बदलती हैं।

दरगाह असलम मियां में पांच दिवसीय 181वां उर्स शुरू

● सन्दल व चादर मज़ार पर चढ़ा कर सज्जादानशीन ने अमन शांति क़ी दुआ की, इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं:-फुरक़ान मियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर- स्थानीय दरगाह हाफिज़िया असलमिया में हज़रत हाफ़िज़ सय्यदुस सादात मोहम्मद अली शाह अलैहिर्रहमा उर्फ बड़े हाफिज साहब के 181 वें पांच दिवसीय सालाना उर्स के पहले दिन रात में दरगाह हज़रत छोटे मख़दूम साहब से संदल व चादर शरीफ़ सज्जादानशीन हाजी सैय्यद फुरक़ान मियां की सरपरस्ती में लेकर दरगाह पहुंचे उसके बाद देर रात तक महफिले समा क़व्वाली हुई और तत्पश्चात मज़ार पर संदल अर्पित कर देश मे अमनो अमान सुख व शांति के लिए सज्जादानशीन ने दुआ की तत्पश्चात कार्यक्रम समाप्त हो गया । इस अवसर पर दरगाह के मीर कव्वाल गुफरान,के अलावा फरीद ,अनस तथा शबीह अहमद आदि ने सूफियाना कलाम पेश किया। उपस्थित सज्जादानशीन में सैय्यद गयास मियां, नजमुल हसन शोएब मियां, मदनी मियां, एजाज़ हसन खान एडवोकेट,फफूंद शरीफ के सज्जादानशीन मौलाना सैय्यद अज़हर मियां , दरगाह मतवल्ली सैय्यद नवेद असलम सलमी मियां, क़ारी इस्लाम अहमद आरफी,सैय्यद फरजान मियां, वक़ार मियां गाज़ीपुर सैय्यद फरहान मियां, सैय्यद फरमान मियां,क़ारी फय्याज अहमद, इमरान सिद्दीकी आदि उपस्थित रहे। सज्जादानशीन सैय्यद फुरकान मियां ने कहा कि हम लोगों को अपने बुजुर्गों की शिक्षा पर पूरी तरह से अमल करना चाहिए साथ ही हमे सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनना होगा क्योंकि इंसानियत ही से मनुष्य बड़ा बनता है। बृहस्पतिवार 7 मई को बड़े हाफ़िज़ साहब का 181वा क़ुल शरीफ़ होगा।

ससजपा ने जताई खुशी बताया परिवर्तन की जीत,दी बधाई

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

गोपीगंज। सर्व समाज जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह ने पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव मे राजग गठबंधन की शानदार जीत पर खुशी जाहिर करते हुए इसे परिवर्तन, सुशासन व विकास की जीत बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि लोक तंत्र मे परिवर्तन आवश्यक है,बताया कि पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी चुनाव मे भाग नही लिया था लेकिन प्रदेश का दौरा करने के दौरान आमजन का रुझान देख विकास कार्य व सुशासन के आधार पर राजग गठबंधन को समर्थन देने की घोषणा की गई थी। शानदार जीत पर कैंप कार्यालय नारायणी कटरा मे मिठाई बाटकर खुशी का इजहार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी।

अधिवक्ताओं ने पशु-पक्षियों के लिए मिट्टी के प्यालों का किया वितरण

नैनी, प्रयागराज। जनहित कारिणी समिति द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए जिला न्यायालय कचहरी परिसर स्थित अधिवक्ता लोकेश सिंह के कार्यालय में पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी हेतु मिट्टी के प्यालों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी में जीव-जंतुओं को राहत पहुंचाना और समाज में संवेदनशीलता का संदेश देना रहा।इस अवसर पर समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश केसरवानी, प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सुशील जैन सहित अधिवक्ता अवधेश यादव, गिरधर, संदीप कुमार, प्रेम शंकर यादव, सुनील चौधरी, धीरज वर्मा, आस्तित्य चौधरी, राम लखन, संदीप विश्वकर्मा और संदीप पटेल समेत कई अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पशु-पक्षियों के प्रति दया और संरक्षण का संदेश देते हुए आमजन से भी इस तरह के कार्यों में सहभागिता करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने रक्षा प्रदर्शनी का किया अवलोकन

● उभरती स्वदेशी क्षमताओं को सराहा

भारतीय सेना, उद्योग और स्टार्टअप्स की सहभागिता का संगम रहा प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। नॉर्थ टेक सिम्पोजियम-2026 में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी ने रक्षा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए देश की उभरती स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की सराहना की। तीन दिवसीय इस आयोजन में आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप विकसित अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों का व्यापक प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेना, उद्योग और स्टार्टअप्स की सहभागिता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रदर्शनी के दौरान मुख्यमंत्री ने बुलेटप्रूफ जैकेट, टैक्टिकल गियर, अत्याधुनिक हेलमेट और मल्टी-टेरेन ऑपरेशंस के लिए विकसित

सैन्य उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेषज्ञों से तकनीकी विशेषताओं की जानकारी ली और उत्पादों की उपयोगिता पर चर्चा की। विशेष रूप से 'हेड-टू-बूट' सुरक्षा प्रणाली, अत्यधिक विषम तापमान में पहने जाने वाले कपड़े और मॉड्यूलर प्रोटेक्शन सिस्टम जैसे इनोवेशन आकर्षण का केंद्र रहे। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में एमएसएमई, स्टार्टअप्स और रक्षा कंपनियों की भागीदारी ने 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूती दी है। समापन अवसर पर समूह फोटो में सैन्य अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं की संयुक्त उपस्थिति इस बात का संकेत देती है कि भविष्य का युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और साझेदारी से तय होगा और प्रयागराज का यह मंच उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

दुल्लभछड़ा में उत्सवी माहौल के बीच विधायक विजय मालाकार का भव्य स्वागत

● तीसरी जीत पर विजय मालाकार का अभिनंदन, विकास के संकल्प को किया दोहराया

कार्यकर्ताओं में दिखा भारी उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के श्रीभूमि जिला अंतर्गत दुल्लभछड़ा मंडल कार्यालय में लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार का भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। लगातार तीसरी बार विधायक चुने जाने पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान ढोल-नगाड़ों, तालियों और 'विजय मालाकार जिंदाबाद' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। पार्टी नेताओं ने फूलों के गुलदस्ते, गमछा और शुभकामनाओं के साथ विधायक का स्वागत किया। अपने संबोधन में विजय मालाकार ने कहा, 'यह जीत केवल मेरी नहीं, बल्कि आप सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत, त्याग और प्रेम का परिणाम है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं को 'जनदेवता' और 'देवतुल्य' बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में विकास कर रामकृष्णनगर क्षेत्र को एक मॉडल क्षेत्र के रूप में विकसित करना उनका लक्ष्य है। गौरतलब है कि इससे पहले उपचुनाव में उन्होंने केशव प्रसाद रजक को लगभग 24 हजार वोटों से हराया था। गत 2021 के विधानसभा चुनाव में शंभु सिंह मालाह को करीब 46 हजार वोटों से पराजित कर दूसरी बार विधायक बने थे। इस बार उन्होंने सुरूची राय को 80 हजार से अधिक वोटों से हराकर लगातार तीसरी बार जीत हासिल की। इस समारोह में जिला परिषद सदस्य प्रणब मुखर्जी, मंडल अध्यक्ष चंदन भर, राज्य भाजपा सदस्य उमा शंकर बनिया, देव कुमार कुर्मी, संजय गोस्वामी, अलीम उद्दीन, जुयेल देव सहित कई नेता, कार्यकर्ता और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। यह अभिनंदन समारोह पार्टी की एकता, कार्यकर्ताओं के आत्मविश्वास और नेतृत्व के प्रति मजबूत विश्वास का प्रतीक बनकर उभरा।

संक्षिप्त खबरें

जज अमन शर्मा आत्महत्या केस की उच्च स्तरीय जांच की मांग, पत्नी को लेकर भी की गई अपील

दिल्ली। फर्स्ट जेनरेशन लॉयर्स एसोसिएशन ने दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को पत्र लिखकर न्यायिक अधिकारी अमन शर्मा की आत्महत्या की घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पत्र में कहा गया कि घटना से संबंधित आरोपों की निष्पक्ष, तटस्थ और समयबद्ध जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए, ताकि ऐसे संवेदनशील मामलों से निपटने में एक मिसाल कायम हो सके।

जज अमन की पत्नी को न्यायिक कार्यों से दूर रखने की मांग

यह भी कहा है कि जांच लंबित रहने के दौरान, संस्था की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखने के हित में अमन की पत्नी स्वाति को न्यायिक कार्यों से दूर रखा जाए। पत्र में मांग कि गई है कि न्यायिक अधिकारियों के तनावपूर्ण कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए, उनके मानसिक स्वास्थ्य का समय-समय पर आकलन करने के लिए योग्य मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों से युक्त एक चिकित्सा बोर्ड के गठन के लिए निर्देश जारी किए जाएं।

जंगल में मिला 9वीं के छात्र का शव, गला घोंटकर की हत्या; 2 दिन पहले हुआ था झगड़ा

दिल्ली। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित भाटी माइंस के जंगल में बुधवार सुबह 14 वर्षीय छात्र का शव मिलने से सनसनी मच गई। मृतक भाटी माइंस का ही रहने वाला और नौवीं कक्षा का छात्र बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच के मुताबिक गला घोंटकर हत्या की बात सामने आ रही है। वहीं, स्वजन का आरोप है कि भाटी माइंस के ही कुछ बच्चों के साथ दो दिन पहले उसका झगड़ा हुआ था। पुलिस स्वजन के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

चंपावत में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्मः धारदार हथियार के बल पर आरोपियों ने की दरिंदगी

चंपावत के सल्ली क्षेत्र हथियारों के बल पर 16 वर्षीय नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। क्षेत्र के ही तीन लोगों पर नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप लगे हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पोक्सो समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल पर जाकर फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन भी किए। बुधवार को चंपावत कोतवाली में एक पिता ने तहरीर देकर तीन लोगों पर उसकी नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया। तहरीर में पिता ने बताया है वह एक बीमार व्यक्ति हैं। उनका इलाज कराने के लिए उनकी बेटी उन्हें गांव से चंपावत लाई थी। बताया कि पांच मई 2026 को उनकी नाबालिग बेटी शाम को घर वापस नहीं लौटी। मैंने फोन में पूछा तो उसने बताया लगभग दोपहर 2:30 बजे युवक विनोद सिंह रावत उसे शादी में सल्ली ले गया है। जो उससे पिछले कुछ समय से बात करता था। तहरीर में पिता ने बताया जब देर रात तक उनकी बेटी घर वापस नहीं लौटी तो उनके बेटी को कॉल किया गया लेकिन उसका फोन नहीं लगा। देर रात 1:28 पर उनकी बेटी ने उन्हें कॉल की इसके तुरंत बाद उसका फोन स्विच ऑफ आने लगा। बताया कि स्थानीय लोगों और पुलिस की खोज बीन के बाद सुबह 4:00 बजे उनकी नाबालिग बेटी एक कमरे डेयरी में बंधी हुई और नग्न अवस्था में मिली। पूछताछ में उनकी बेटी ने बताया सल्ली निवासी तीन लोगों ने उसके साथ जबरन सामूहिक दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। तहरीर में बताया कि आरोपियों ने धारदार हथियार चाकू और बसुला उनकी बेटी के गले में रखकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उनकी नाबालिग बेटी को रस्सी से बांध कर नग्न अवस्था में कमरे में ताला लगाकर बंद कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पूरन सिंह रावत, विनोद सिंह रावत, नवीन सिंह रावत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2) (दुष्कर्म), 127(2), 351(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।

अमेरिकी में चीन के 'साइलेंट किलर' की एंट्री, एशियन नीडल एंट ने मचाया आतंक

● 20 राज्यों में अलर्ट जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका में चीन से आई एक खतरनाक चींटी तेजी से फैल रही है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। 'एशियन नीडल एंट' नाम की यह छोटी, गहरे भूरे से काले रंग की चींटी अब अमेरिका के कम से कम 20 राज्यों में पाई जा चुकी है। इन राज्यों में फ्लोरिडा, जॉर्जिया, टेक्सास, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया के अलावा मैसाचुसेट्स और विस्कॉन्सिन जैसे उत्तरी इलाके भी शामिल हैं। हालांकि यह चींटी अमेरिका में 90 साल पहले भी पाई गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी संख्या तेजी से बढ़ी है। यह चींटी आम चींटियों की तरह दिखाई देने वाले टीले (एंथिल) नहीं बनाती, बल्कि पत्तों के ढेर, सड़े हुए लकड़ी के टुकड़ों और जंगलों में छिपकर रहती है, जिससे लोगों का इसके संपर्क में आना आसान हो जाता है।

डंक से तेज दर्द, एलर्जी वालों के लिए खतरनाक

इस चींटी का डंक काफी दर्दनाक होता है, जो कई घंटों तक आता-जाता रह सकता है। कुछ मामलों में दर्द डंक वाली जगह से आगे भी फैल जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों को एलर्जी होती है, उनमें इसका डंक 'एनाफिलेक्सिस' जैसी गंभीर और जानलेवा प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है। इसकी सूई जैसी डंक कपड़ों को भी भेद सकती है। हांगकांग विश्वविद्यालय के कीट वैज्ञानिक बेनोइट गुएनार्ड ने कहा कि इसका डंक ऐसा लगता है जैसे किसी ने सीधे शरीर में सुई चुभा दी हो।

आक्रामक नहीं, फिर भी सावधानी जरूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि यह चींटी स्वभाव से आक्रामक नहीं होती और तभी काटती है जब उसे खतरा महसूस होता है। यह फायर एंट्स की तरह बड़े स्तर पर खतरा नहीं है, लेकिन फिर भी सावधानी जरूरी है। अमेरिकी कृषि विभाग ने सलाह दी है कि बाहर काम करने वाले लोग दस्ताने पहनें और अगर ऐसी चींटी दिखे तो सावधानी से दूरी बना लें। विभाग का कहना है कि अन्य विदेशी प्रजातियों की तरह यह चींटी अब अमेरिका में स्थायी रूप से बस चुकी है।

ओखला मंडी के पास फ्लैटेड फैक्ट्री में लगी भीषण आग, सात लोगों को सुरक्षित बचाया गया

दिल्ली। दिल्ली के ओखला सब्जी मंडी के पास स्थित फ्लैटेड फैक्ट्री में बुधवार सुबह आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। तीन मंजिला इमारत की छत पर फंसे सात लोगों को फायर ब्रिगेड की टीम ने बचाकर सुरक्षित नीचे उतरा। दोपहर 1.00 बजे तक आग पर काबू पाने के लिए टीम प्रयास कर रही है। इमारत से अभी भी धुआं उठ रहा है। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

दिल्ली में नाले से पशु अवशेष मिलने पर बढ़ा तनाव

● हिंदू संगठनों ने गोवंश की हत्या का आरोप लगाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। सीलमपुर क्षेत्र में ब्रह्मपुरी पुलिया के पास नाले में पशु के अवशेष मिलने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना फैलते ही बजरंग दल व अन्य हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और गोवंश की हत्या का आरोप लगाया। बड़ी संख्या में भीड़ जुटती देख पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। इलाके में भारी पुलिसबल तैनात कर दिया गया। कार्रवाई का अश्वासन मिलने के बाद कार्यकर्ता शांत होकर लौट गए।

पहले भी मिले थे गोवंश के अवशेष

ब्रह्मपुरी पुलिया के पास नाले में पशु अवशेष होने की सूचना कुछ लोगों ने पुलिस को दी। सूचना फैलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में लगातार गोवंश की हत्या की जा रही है। कुछ समय पहले भी गोवंश के अवशेष मिले थे। पुलिस ने क्रेन की मदद से नाले से अवशेषों को बाहर निकलवाया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया और आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली विधानसभा में कुमार विश्वास की रामकथा

● 'अपने-अपने राम' आज, AAP नेताओं को निमंत्रण पर सियासी चर्चा तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में आज कवि और वक्ता डा. कुमार विश्वास की संगीतमय रामकथा 'अपने-अपने राम' का आयोजन होने जा रहा है। देश की राजधानी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को झंकृत करने के लिए यह आयोजन हो रहा है।

उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों के पहुंचने की भी संभावना है। यह कार्यक्रम शाम 5:00 बजे से शुरू होगा, जिसके लिए विधानसभा परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस आयोजन ने शुरू होने से पहले ही दिल्ली की सियासत में उस समय हलचल शुरू कर दी है। जब कार्यक्रम के निमंत्रण होर्डिंग्स आम आदमी पार्टी के दफ्तर और आप के प्रमुख नेताओं के घरों के बाहर भी लगाए गए। जिन पर बड़े अक्षरों में लिखा गया कि आप' भी आमंत्रित हैं। राजनीतिक विश्लेषक इसे कुमार विश्वास द्वारा अपने पुराने सहयोगियों पर एक तीखे कटाक्ष के रूप में देख रहे हैं।

पास के जरिए ही मिलेगी एंट्री

डा. कुमार विश्वास अपनी विशिष्ट शैली में रामायण के प्रसंगों को आधुनिक जीवन के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। संगीतमय प्रस्तुति के साथ भगवान राम के जीवन मूल्यों को युवाओं और राजनीतिज्ञों के लिए प्रासंगिक बनाकर पेश किया जाएगा। सुरक्षा और गरिमा को देखते हुए कार्यक्रम में प्रवेश केवल पास के जरिए ही दिया जाएगा। जो लोग परिसर में उपस्थित नहीं हो सकेंगे, उनके लिए दिल्ली विधानसभा के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर इसका सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस आयोजन को मानवीय मूल्यों और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति एक प्रेरणा बताया है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कथा सुनाना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को भगवान राम के आदर्शों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना है।

हीटवेव से बचाव के लिए एक्शन मोड में रेखा सरकार

● सीएम ने 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को दिखाई हरी झंडी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली में भीषण गर्मी और हीटवेव के कहर से निपटने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली सचिवालय से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'दिल्ली सचिवालय से भीषण गर्मी और हीटवेव से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स के माध्यम से ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएंगे प्राथमिक उपचार (First Aid) की सुविधा प्रदान की जाएगी। लोगों को लू और तेज धूप से बचाव हेतु कॉटन के गमछे और कैप उपलब्ध कराए जाएंगे।' सीएम ने आगे लिखा, 'साथ ही, हीटवेव से बचाव और जागरूकता के लिए हीट एक्शन प्लान बुकलेट भी जारी की गई है। आप सभी से अपील है कि इस भीषण गर्मी में अपना और अपने परिवार का विशेष ध्यान रखें, पर्याप्त पानी पिएं, अनावश्यक धूप में निकलने से बचें। किसी भी आपात स्थिति में 112 हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से मोबाइल यूनिट्स की सुविधा प्राप्त की जा सकती है।'

गर्लफ्रेंड के साथ मिल बेटे ने ले ली पिता की जान

गाजियाबाद के लोनी स्थित टोली मोहल्ला कॉलोनी में बुजुर्ग अजीजुद्दीन की हत्या का खुलासा हो गया है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के बेटे और उसकी महिला मित्र को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों पर 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने आरोपी बेटे बिलाल को मुंबई के ठाणे थाना मुंब्रा से पकड़ा है। उसकी महिला मित्र खुशबू को लोनी तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। जांच में सामने आया कि पिता द्वारा सारी संपत्ति से बेदखल किए जाने से बेटा बिलाल नाराज था। पिता के काफी समझाने के बाद भी ना मानने पर उसने हत्या की योजना बनाई। बिलाल ने अपनी महिला मित्र खुशबू के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने बुजुर्ग अजीजुद्दीन की गला दबाकर हत्या की थी। वारदात को अंजाम देने के बाद वे शव को बेसमेंट में छोड़कर फरार हो गए थे। पुलिस ने इस जघन्य अपराध के बाद आरोपियों की तलाश तेज कर दी थी। गहन जांच और तकनीकी सहायता से पुलिस ने दोनों को अलग-अलग स्थानों से दबोचा।

केएल राहुल ने अभिषेक से छीनी ऑरेंज कैप

● संजू सैमसन ने टॉप-5 में धमाकेदार एंट्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मंगलवार को खेले गए मुकाबले में संजू सैमसन की नाबाद 87 रनों की मैच जिताऊ पारी ने न सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स को प्लेऑफ की रेस में बनाए रखा है, बल्कि ऑरेंज कैप की रेस भी और रोमांचक कर दी है। इस पारी के दम पर सैमसन अब आईपीएल 2026 के टॉप-5 स्कोरर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वहीं, अभिषेक शर्मा के सिर से केएल राहुल ने ऑरेंज कैप छीन ली है। अब ऑरेंज कैप पर केएल राहुल का कब्जा है।

IPL 2026 Orange Cap पर किसका कब्जा?

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मैच से पहले संजू सैमसन ऑरेंज कैप की लिस्ट में थोड़े पीछे थे, लेकिन 52 गेंदों में 7 चौकों और 6 छक्कों की मदद से खेली गई उनकी पारी ने उन्हें 400 रनों का आंकड़ा पार करा दिया है। सैमसन अब 10 मैचों में 402 रनों के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सीजन में वह अब तक दो शतक भी जड़ चुके हैं।

वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर केएल राहुल अभी भी 445 रनों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। उनके ठीक पीछे सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन की जोड़ी बनी हुई है।

CSK की प्लेऑफ की उम्मीदें बढ़ीं

सैमसन और कार्तिक शर्मा (41*) के बीच हुई 114 रनों की नाबाद साझेदारी की बदौलत चेन्नई ने दिल्ली को 8 विकेट से हराकर सीजन की अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ छ्रस्य अब अंक तालिका में 10 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। नेट रन-रेट में भी इस बड़ी जीत से काफी सुधार हुआ है, जो टूर्नामेंट के अंतिम चरण में निर्णायक साबित हो सकता है।

अंधविश्वास की आड़ में दरिंदगीः दिल्ली HC ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी मौलवी को जमानत देने से किया इनकार

दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने मौलवी मोहम्मद मुबारक को जमानत देने से इन्कार कर दिया। लड़की को बुरी आत्माओं से छुटकारा दिलाने के बहाने उसके साथ दुष्कर्म करने का मौलवी पर आरोप है।

अदालत ने कहा कि आरोपित ने लड़की की कमजोर शारीरिक और मानसिक स्थिति के साथ उसके स्वजन के अंधविश्वास का गलत फायदा उठाया। पीठ ने कहा कि पीड़िता एक कम उम्र की बीमार लड़की थी और उसे व उसके परिवार को यह विश्वास दिलाया गया था कि आरोपित बुरी आत्माओं से उसे छुटकारा दिला देगा। जबकि आरोपित ने पीड़िता के भरोसे का गलत इस्तेमाल किया और इलाज के बहाने उसका शोषण किया।

कंगना रनौत की 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान

● बॉक्स ऑफिस पर होगी इन 3 फिल्मों से टक्कर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं. उनकी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है. फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फिल्म का ऐलान कंगना ने पिछले साल किया था. अब ये बनकर रिलीज़ के लिए तैयार है. हालांकि बड़े पर्दे पर इस फिल्म के लिए राह आसान नहीं होने वाली. जिस दिन कंगना रनौत 'भारत भाग्य विधाता' को रिलीज़ कर रही हैं, उस दिन बॉलीवुड की तीन और फिल्में पर्दे पर आ रही हैं. मतलब 12 जून को तगड़े क्लैश के लिए तैयार हो जाइए। 'भारत भाग्य विधाता' का निर्माण कंगना रनौत की मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले ही हो रहा है. बुधवार को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक पोस्टर जारी किया और साथ में लिखा, 'साधारण लोगों की असाधारण कहानी. उस रात की कहानी, जब मानवता डर से ऊपर खड़ी रही. जब जिम्मेदारी कुर्बानी बन गई. जब एकता कर्तव्य बन गई और हिम्मत ने जिंदगियां बचाई. भारत के असली हीरोज़ की अनकही कहानी। '

क्या है 'भारत भाग्य विधाता' की कहानी?

इस फिल्म को मनोज तपाड़िया ने लिखी है और उन्होंने ही इसका निर्देशन भी किया है. फिल्म में कंगना ने एक नर्स का रोल निभाया है. इसमें गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका अघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नज़र आएंगे। फिल्म की कहानी साल 2008 में हुए मुंबई आतंकी हमले के दौरान की है. उस दौरान आतंकियों ने कामा अस्पताल में फायरिंग की थी और कई गार्ड्स की हत्या कर दी थी. गोलियों की आवाज सुनकर स्टाफ ने अस्पताल के दरवाजे बंद कर लिए थे. कैसे उस हालात में अस्पताल के कर्मचारियों, नर्सों और डॉक्टरों ने हिम्मत दिखाई और स्थिती को संभाला यही फिल्म में दिखाया जाएगा।

इन फिल्मों से टक्कर

12 जून को 'भारत भाग्य विधाता' के अलावा बॉक्स ऑफिस पर मनोज बाजपेयी की गवर्नर, दिलजीत दोसांझ, शरवरी वाघ, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना स्टारर 'मैं वापस आउंगा' और मिमोह चक्रवर्ती की टहॉन्टेड 3D: इकोस ऑफ द पास्ट' जैसी फिल्में भी रिलीज़ होंगी. इससे साफ है कि अगले महीने 12 जून को बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों के बीच तगड़ा क्लैश देखने को मिलेगा।

रायपुर की भगत सिंह कॉलोनी में नाले के किनारे शव मिलने से मचा हड़कंप

जांच में जुटी पुलिस

रायपुर की भगत सिंह कॉलोनी में नाले के किनारे एक व्यक्ति का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कुछ देर पहले वह व्यक्ति इसी जगह घूम रहा था, इसके बाद अचानक इसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भेजा, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।अभी शिनाख्त नहीं पाई है। वहीं, मृतक की उम्र करीब 45 से 50 वर्ष बताई जा रही है।

NCR के यात्रियों की पहली पसंद बनी नमो भारत

● हर दिन 1 लाख से ज्यादा लोग कर रहे सफर; अब 10 मिनट में मिलेगी ट्रेन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली- गाजियाबाद-मेरठ कारिडोर पर दौड़ने वाली ''नमो भारत'' ट्रेन ने क्षेत्रीय परिवहन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पूरे कारिडोर के चालू होने के कुछ ही माह के भीतर नमो भारत ने तीन करोड़ यात्रियों का आंकड़ा पार कर लिया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के अनुसार, वर्तमान में हर दिन लगभग 90,000 से 1.14 लाख यात्री इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। दो से तीन करोड़ का सफर तय करने में ट्रेन को पांच महीने से भी कम का समय लगा। यात्रियों की मांग को देखते हुए ट्रेनों के बीच का अंतराल भी 15 मिनट से घटाकर 10 मिनट कर दिया गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि नमो भारत की शुरुआत अक्टूबर 2023 में महज 17 किमी के खंड से हुई थी। समय के साथ इसके विस्तार से यात्रियों की संख्या भी बढ़ती गई। मई 2025 में एक करोड़ यात्रियों का आंकड़ा छुआ। दिसंबर 2025 में दो करोड़ यात्रियों का आंकड़ा पार कर लिया। मार्च 2026 में मेरठ मेट्रो के साथ पूरे कारिडोर के जुड़ने के बाद मासिक राइडरशिप 27 लाख तक पहुंच गई। वहीं दो दिन पहले यह आंकड़ा तीन करोड़ पार कर गया। अधिकारियों ने बताया कि आनंद विहार जैसे प्रमुख स्टेशनों को 'मल्टी-मॉडल हब' के रूप में विकसित करने से दिल्ली और एनसीआर के यात्रियों के लिए नमो भारत तक पहुंच आसान हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा, गति और आराम के कारण यह ट्रेन एनसीआर के यात्रियों की पहली पसंद बन चुकी है।

दिल्ली सरकार का शिक्षकों को तोहफा, वोकेशनल व समग्र शिक्षा शिक्षकों का वेतन बढ़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में वोकेशनल शिक्षकों व समग्र शिक्षा अभियान के तहत संचालित विशेष प्रशिक्षण केंद्रों में कार्यरत शिक्षकों के वेतन में भी महत्वपूर्ण वृद्धि की घोषणा की है. इन केंद्रों में उन बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाता है, जो किसी कारणवश स्कूल नहीं जा पाए या अन्य कारणों से स्कूल छोड़ गए। दिल्ली सचिवालय में आयोजित कैबिनेट में हुए इस निर्णय की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में करीब 1131 वोकेशनल शिक्षक कई विधाओं की ट्रेनिंग देते हैं. इनका वेतन बढ़ाकर 38100 रुपये किया जा रहा है. पहले इन्हें 20 हजार से लेकर 23 हजार रुपये ही मिलते थे. वहीं समग्र शिक्षा अभियान के तहत वर्तमान में संचालित कुल 784 केंद्रों में पढ़ाने वाले शिक्षकों के वेतन में भी वृद्धि की गई है। इन केंद्रों में तैनात सभी शिक्षकों का वेतन 21 हजार रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 35420 रुपये प्रति माह कर दिया गया है. इन केंद्रों में स्कूल से बाहर (आउट ऑफ स्कूल) बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाता है और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्राइमरी और अपर प्राइमरी शिक्षकों को मिलेगा बराबर वेतन

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समग्र शिक्षा अभियान के शिक्षकों को प्राइमरी और अपर प्राइमरी शिक्षकों के बराबर वेतन मिलेगा. यह निर्णय केवल वेतन वृद्धि नहीं है, बल्कि उन शिक्षकों के समर्पण और मेहनत का सम्मान है, जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का काम कर रहे हैं. इन सभी शिक्षकों के वेतन में बढ़ोतरी होने से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि उनका मनोबल भी बढ़ेगा. जब शिक्षक संतुष्ट और प्रेरित होंगे, तभी वे बच्चों को बेहतर गुणवत्ता की शिक्षा दे पाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि राजधानी का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे. विशेष प्रशिक्षण केंद्र उन बच्चों के लिए उम्मीद की किरण हैं, जो कभी स्कूल नहीं गए या बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं. इन बच्चों को मुख्यधारा में लाना हमारी प्राथमिकता है और इसमें शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है. सरकार इन केंद्रों की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है.

भविष्य को सुरक्षित बनाना है मकसद

मुख्यमंत्री ने बताया कि नियमित मॉनिटरिंग, अभिभावकों की काउंसलिंग और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय के माध्यम से यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचे सरकार का उद्देश्य केवल बच्चों को स्कूल में लाना नहीं, बल्कि उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाना है. दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार और नवाचार के लिए प्रतिबद्ध है. हम चाहते हैं कि हर बच्चा पढ़े, आगे बढ़े और अपने सपनों को साकार करे. यह वेतन वृद्धि उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।